



Sun - 04 Oct- 2026	Year - 01	Issue 192	Page - 01	Rs. - 5	www.azadvani.com
--------------------	-----------	-----------	-----------	---------	------------------

हर मां-बहन 'मावां धीयां सत्कार योजना' की ब्रांड एंबेसडर: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान



चंडीगढ़, 4 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब की हर मां और बहन 'मावां धीयां सत्कार योजना' की ब्रांड एंबेसडर है। उन्होंने योजना को महिलाओं के सम्मान, आत्मविश्वास और आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि इसके माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि अब तक 75 लाख से अधिक महिलाओं का पंजीकरण हो चुका है और ₹3,824.87 करोड़ की सत्कार राशि सीधे लाभार्थी महिलाओं के बैंक खातों में ट्रांसफर की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य इस योजना का लाभ एक करोड़ महिलाओं तक पहुंचाना है। इस अवसर पर भावुक पल भी देखने को मिला, जब योजना की लाभार्थी गुरमेल कौर उर्फ मेलो, निवासी गांव आदमपुरा, ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान से मुलाकात की।

पंजाब विकास का नया अध्याय लिख रहा है: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान



चंडीगढ़, 4 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब अपने गौरवशाली इतिहास, बलिदान और मेहनत की विरासत के साथ विकास का नया अध्याय लिख रहा है। उन्होंने रविवार को पंजाब कला भवन में तीन खंडों और 1,980 पृष्ठों वाली पुस्तक 'पंजाब दा इतिहास' का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सदियों से कला, संस्कृति, साहित्य और सभ्यता का केंद्र रहा है। इस धरती ने इतिहास में अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं और इसकी विरासत को सुरक्षित रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जो समाज अपने इतिहास और संस्कृति को संभालकर रखते हैं, वही अपनी पहचान को मजबूत बनाए रखते हैं। भगवंत सिंह मान ने स्वतंत्रता संग्राम में पंजाबियों के योगदान को याद करते हुए कहा कि देश की आजादी के लिए पंजाब के लोगों ने असाधारण बलिदान दिए। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद भी पंजाबियों ने देश की सीमाओं की रक्षा से लेकर आर्थिक विकास तक हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

'100% खेल, 0% नशा' का संदेश लेकर चंडीगढ़ पुलिस ने कराया वॉलीबॉल टूर्नामेंट



पुनीत महाजनचंडीगढ़, 4 अक्टूबर। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर चंडीगढ़ पुलिस की ओर से बच्चों और युवाओं को खेलों से जोड़ने तथा उन्हें नशे से दूर रखने के उद्देश्य से वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। '100% खेल, 0% नशा' थीम पर आयोजित इस प्रतियोगिता के माध्यम से युवाओं को स्वस्थ, सकारात्मक और अनुशासित जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया।

चंडीगढ़ पुलिस की इस पहल में बड़ी संख्या में युवा खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। टूर्नामेंट में लड़कों की कुल 18 टीमों ने हिस्सा लिया। इनमें पुलिस स्टेशन मौली जागरा की 6 टीम, पुलिस स्टेशन मनीमाजरा की 5 टीम, पुलिस स्टेशन-19 की 2 टीम और पुलिस स्टेशन इंडस्ट्रियल एरिया की 5 टीम शामिल रहीं।

प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुलिस स्टेशन

इंडस्ट्रियल एरिया की टीम-2 और पुलिस स्टेशन मौली जागरा की टीम-2 ने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बनाई। खिलाड़ियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली और मैदान पर टीमवर्क, अनुशासन तथा खेल भावना का परिचय दिया गया।

चंडीगढ़ पुलिस के अनुसार, इस टूर्नामेंट का उद्देश्य केवल युवाओं को खेल का मंच उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि उन्हें नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना भी है। पुलिस का मानना है कि खेल युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने के साथ-साथ उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम के साथ मिलकर काम करने की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आयोजन के माध्यम से युवाओं को यह संदेश देने का प्रयास किया गया कि स्वस्थ शरीर और सकारात्मक सोच के लिए खेलों को अपने जीवन का हिस्सा बनाना जरूरी है। युवाओं को नशे जैसी बुराईयों से दूर रखते हुए उन्हें खेल, शिक्षा और रचनात्मक गतिविधियों की

ओर प्रेरित करना समाज के लिए भी महत्वपूर्ण है।

चंडीगढ़ पुलिस ने कहा कि '100% खेल, 0% नशा' जैसी पहल युवाओं को एक सकारात्मक दिशा देने का माध्यम है। पुलिस की ओर से खेल गतिविधियों के जरिए बच्चों और युवाओं को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए लगातार प्रेरित किया जा रहा है।

पुलिस के मुताबिक, इस प्रकार के आयोजन युवाओं और पुलिस के बीच बेहतर संवाद एवं सहभागिता का अवसर भी प्रदान करते हैं। खेल के मैदान में युवाओं की भागीदारी बढ़ाकर उन्हें नशे से दूर रखने और समाज में स्वस्थ वातावरण तैयार करने की दिशा में ऐसे कार्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

चंडीगढ़ पुलिस ने युवाओं से अपील की कि वे अपनी ऊर्जा और प्रतिभा का उपयोग खेलों तथा अन्य सकारात्मक गतिविधियों में करें और नशे से दूर रहकर एक स्वस्थ, सुरक्षित और नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

सेक्टर-46, 44 और 52 में तंबाकू-गुटका व सिगरेट बिक्री पर कार्रवाई, दुकानदारों के काटे चालान

पुनीत महाजनचंडीगढ़, 4 अक्टूबर। चंडीगढ़ में तंबाकू, गुटका और सिगरेट की अवैध एवं नियमों के विपरीत बिक्री करने वालों के खिलाफ प्रशासन की ओर से कार्रवाई की गई। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में की गई जांच के दौरान दुकानों और अन्य स्थानों पर तंबाकू उत्पादों की बिक्री की स्थिति का जायजा लिया गया। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित दुकानदारों के चालान काटे गए और उन्हें भविष्य में नियमों का पालन करने की चेतावनी दी गई।

जानकारी के अनुसार, कार्रवाई के दौरान सेक्टर-46, सेक्टर-44 और सेक्टर-52 क्षेत्र में विशेष रूप से तंबाकू उत्पादों की बिक्री की जांच की गई। अधिकारियों की टीम ने दुकानों पर पहुंचकर यह जांच की कि कहीं प्रतिबंधित अथवा नियमों के विपरीत तंबाकू, गुटका और सिगरेट की बिक्री तो नहीं की जा रही है। जांच के दौरान नियमों का उल्लंघन सामने आने पर संबंधित दुकानदारों के खिलाफ चालान की कार्रवाई की गई।

अधिकारियों ने दुकानदारों को स्पष्ट रूप से निर्देश दिए कि वे कानून और निर्धारित नियमों का पालन करें। सार्वजनिक स्थानों पर अथवा प्रतिबंधित परिस्थितियों में तंबाकू उत्पादों की बिक्री और नियमों की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी।

अधिकारियों ने कहा कि तंबाकू उत्पादों की अनियमित बिक्री को रोकने के लिए आगे भी विभिन्न बाजारों और संवेदनशील क्षेत्रों में जांच अभियान चलाया जाएगा।

कार्रवाई के दौरान दुकानदारों को यह भी चेतावनी दी गई कि वे प्रतिबंधित या नियमों के विपरीत तंबाकू उत्पादों की बिक्री से बचें। अधिकारियों ने कहा कि यदि भविष्य की जांच में दोबारा नियमों का उल्लंघन पाया गया तो संबंधित दुकानदारों के खिलाफ नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन की इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य शहर में तंबाकू उत्पादों की अवैध और अनियमित बिक्री पर अंकुश लगाना है। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर तंबाकू सेवन एवं इससे जुड़े नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करना भी अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। अधिकारियों का कहना है कि तंबाकू उत्पादों की आसान उपलब्धता पर नियंत्रण से विशेष रूप से बच्चों और युवाओं को इनके सेवन से दूर रखने में मदद मिल सकती है।

अभियान के दौरान अधिकारियों ने दुकानदारों से अपील की कि वे केवल निर्धारित नियमों के तहत ही किसी भी तंबाकू उत्पाद की बिक्री करें और कानून का

पालन सुनिश्चित करें। साथ ही आम लोगों से भी आग्रह किया गया कि वे सार्वजनिक स्थानों पर तंबाकू उत्पादों के इस्तेमाल से बचें तथा नियमों का पालन करें।

अधिकारियों के मुताबिक, शहर में इस तरह की जांच और कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। विभिन्न क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण के माध्यम से नियमों का उल्लंघन करने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य केवल चालान करना नहीं, बल्कि तंबाकू उत्पादों की अनियमित बिक्री पर रोक लगाकर लोगों के लिए अधिक सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण तैयार करना है।



मोटरसाइकिल चोरी के मामले में 21 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार, चोरी की बाइक फर्जी नंबर प्लेट के साथ बरामद



पुनीत महाजनचंडीगढ़, 4 अक्टूबर। चंडीगढ़ पुलिस ने वाहन चोरी के एक मामले को सुलझाते हुए 21 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल भी बरामद की है। जांच के दौरान मोटरसाइकिल पर फर्जी नंबर प्लेट लगी होने का खुलासा हुआ, जिसके बाद मामले में अतिरिक्त धाराएं भी जोड़ी गई हैं।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान जशनप्रीत सिंह पुत्र गुरजंट सिंह, निवासी गांव सिंगों, थाना तलवंडी साबो, जिला बठिंडा, पंजाब के रूप में हुई है। आरोपी की उम्र 21 वर्ष बताई गई है।

यह कार्रवाई W/SSP कंवरदीप कौर, IPS, W/SP सिटी विजय सिंह के दिशा-निर्देशन तथा SDPO ईस्ट पी. अभिनंदन, DANIPS की निगरानी में की गई। मामले की जांच और आरोपी की गिरफ्तारी की कार्रवाई थाना इंडस्ट्रियल एरिया के SHO इंस्पेक्टर सतनाम सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने की।

पुलिस ने बताया कि मोटरसाइकिल चोरी के संबंध में ई-एफआईआर नंबर 1381 दिनांक 04.11.2025 के तहत थाना इंडस्ट्रियल एरिया, यूटी चंडीगढ़ में धारा 303(2) BNS के तहत मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता परवनी सैनी पुत्र जगतार सिंह ने पुलिस को शिकायत दी थी कि उनकी मोटरसाइकिल नंबर PB65AJ8656 चोरी हो गई है।

शिकायत के अनुसार, मोटरसाइकिल 28 अक्टूबर 2025 को दोपहर करीब 2 बजे से 2:20 बजे के बीच एलांते मॉल चौक, चंडीगढ़ से चोरी हुई थी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए आरोपी की तलाश की।

जांच के दौरान पुलिस टीम को आरोपी के संबंध में महत्वपूर्ण सुराग मिले। इसके आधार पर पुलिस ने 4 अक्टूबर 2026 को जशनप्रीत सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली। जांच के दौरान पुलिस को मोटरसाइकिल पर लगी नंबर प्लेट को लेकर भी महत्वपूर्ण जानकारी मिली।

SQUARENET
Innovation & Excellence

Advertisement

Zoho Mail

Google Workspace

Microsoft 365

Microsoft Solutions Partner

Google Cloud Partner

aws partner network

Are you looking for a reliable EMAIL SERVICE PROVIDER?

Choose the best suitable plan for your business from **SquareNet**

Secure & Reliable

Professional Email

Cloud Integration

24/7 Expert Support

Scalable for Every Business

Empower Your Business with Secure, Professional & Scalable Email Solutions

SQUARENET INDIA PRIVATE LIMITED
C-6, Sebiz Square, IT Park, Sector 67,
Mohali 160062, Punjab India

www.squarenetindia.com

mail@squarenetsolutions.com

+91-904-101-2541
[PRI LINE]

‘युद्ध नशेयां विरुद्ध’ अभियान के तहत 146 नशा तस्कर गिरफ्तार, 11.7 किलो हेरोइन बरामद



चंडीगढ़, 3 अक्टूबर। पंजाब में गैंगस्टर्स और नशा तस्करों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। राज्य में चल रहे ‘गैंगस्टर्स ते वार’ अभियान के 256वें दिन पंजाब पुलिस ने पूरे राज्य में गैंगस्टर्स और उनके सहयोगियों से जुड़े चिन्हित एवं मैप किए गए 592 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। इस दौरान पुलिस टीमों ने 275 लोगों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 16 हथियार बरामद किए।

पुलिस के अनुसार, इस अभियान का उद्देश्य पंजाब को गैंगस्टर नेटवर्क से मुक्त करने के लिए संगठित और प्रभावी कार्रवाई करना है। अभियान की शुरुआत पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने 20 जनवरी 2026 को की थी। इसके बाद से सभी जिलों की पुलिस टीमों एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (AGTF) के समन्वय से गैंगस्टर्स, उनके सहयोगियों और आपराधिक नेटवर्क से जुड़े संदिग्धों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही हैं।

अभियान के 256वें दिन की कार्रवाई के दौरान गिरफ्तार किए गए 275 आरोपियों के अलावा 195 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई भी की गई। पुलिस टीमों ने अभियान के दौरान छह भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, अभियान शुरू होने के बाद से अब तक कुल 75,810 गिरफ्तारियां की जा चुकी हैं।

पुलिस की ओर से आम लोगों से भी अपराध और गैंगस्टर गतिविधियों से जुड़ी जानकारी साझा करने की अपील की गई है। नागरिक एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 पर वांछित अपराधियों, गैंगस्टर्स और उनके सहयोगियों के बारे में गुप्त रूप से सूचना दे सकते हैं। पुलिस का कहना है कि लोगों द्वारा दी गई महत्वपूर्ण जानकारी अपराधियों तक पहुंचने और आपराधिक नेटवर्क को तोड़ने में मदद कर सकती है।

इसी बीच पंजाब पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे ‘युद्ध नशेयां विरुद्ध’ अभियान के तहत भी कार्रवाई जारी रखी। अभियान के 581वें दिन पुलिस ने राज्यभर में कार्रवाई करते हुए 146 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया।

‘युद्ध नशेयां विरुद्ध’ अभियान के तहत पिछले 581 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या अब 81,602 तक पहुंच गई है।

अमृतसर में सीमा पार हथियार और विस्फोटक सप्लाई नेटवर्क का भंडाफोड़, AK-47 व दो हैंड ग्रेनेड बरामद



चंडीगढ़/अमृतसर, 4 अक्टूबर। पंजाब को सुरक्षित और नशा एवं अपराध मुक्त बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के बीच अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने अवैध हथियारों और विस्फोटकों की सप्लाई से जुड़े एक नेटवर्क का पर्दाफाश करने का दावा किया है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से एक AK-47 राइफल, एक मैगजीन, नौ जिंदा कारतूस और दो हैंड ग्रेनेड बरामद किए गए हैं। पुलिस ने आरोपी के पास से उस मोटरसाइकिल को भी जब्त किया है, जिसका इस्तेमाल कथित तौर पर हथियारों की खेप ले जाने के लिए किया जा रहा था।

पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान नवजोत सिंह (28) के रूप में हुई है। आरोपी पेशे से टूक चालक है और तरनतारन के चीमा गांव का निवासी बताया गया है। प्रारंभिक जांच के अनुसार, आरोपी के कथित तौर पर विदेश में बैठे तस्करों से संपर्क होने की बात सामने आई है। पुलिस का कहना है कि वह उनके निर्देशों पर अवैध हथियार हासिल करने और उनकी सप्लाई से जुड़ी गतिविधियों में शामिल था।

डीजीपी ने कहा कि पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। जांच का मुख्य उद्देश्य हथियारों की सप्लाई से जुड़े फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंकेज का पता लगाना है, ताकि नेटवर्क के अन्य सदस्यों और इसके संचालन से संबंधित जानकारी सामने आ सके।

बॉर्डर रेंज के आईजीपी गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि अमृतसर ग्रामीण पुलिस को इस नेटवर्क के संबंध में सटीक खुफिया जानकारी मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस की विशेष टीमों ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई शुरू की। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर जा रहे आरोपी को रोककर उसकी तलाशी ली गई।

तलाशी के दौरान पुलिस टीम को आरोपी के कब्जे से AK-47 असाॅल्ट राइफल, मैगजीन और नौ जिंदा

कारतूस बरामद हुए। इसके अलावा पुलिस ने दो जिंदा हैंड ग्रेनेड भी बरामद किए। हथियारों और विस्फोटकों की बरामदगी के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की गई।

अमृतसर ग्रामीण के SSP कंवलप्रीत सिंह चहल ने बताया कि यह ऑपरेशन SP (इन्वेस्टिगेशन) रामनदीप सिंह, DSP गुरिंदरपाल सिंह नागरा और DSP अटारी यादविंदर सिंह की निगरानी में चलाया गया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, कार्रवाई के दौरान बरामद हथियारों और विस्फोटकों को कब्जे में लेकर मामले की जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

इस संबंध में FIR नंबर 425, दिनांक 30 सितंबर 2026 के तहत अमृतसर ग्रामीण के थाना घरिंडा में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25(8) तथा एक्सप्लोसिव सब्सटेंसेज एक्ट की धाराओं 3, 4 और 5 के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार, मामले की जांच अभी जारी है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि बरामद हथियार और विस्फोटक कहाँ से लाए गए थे, इन्हें कहाँ पहुंचाया जाना था और इस नेटवर्क से अन्य कौन-कौन से लोग जुड़े हुए हैं। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, बरामद हथियारों और विस्फोटकों की मात्रा को देखते हुए मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है। जांच टीम यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी तक यह खेप किस माध्यम से पहुंची और इसके पीछे कौन-कौन से लोग सक्रिय थे।

जांच में आरोपी के संपर्क में रहे लोगों और संभावित सहयोगियों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस उसके मोबाइल फोन, संपर्कों और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों की जांच के आधार पर नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने का प्रयास कर रही है।

पुलिस को आशंका है कि अवैध हथियारों की इस सप्लाई

में एक से अधिक लोग शामिल हो सकते हैं। इसलिए जांच का दायरा बढ़ाते हुए उन संभावित आरोपियों की पहचान की जा रही है, जो हथियारों की खरीद, परिवहन या आगे सप्लाई में किसी भी स्तर पर जुड़े हो सकते हैं।

अधिकारियों के अनुसार, सीमा से जुड़े क्षेत्रों में अवैध हथियारों और विस्फोटकों की तस्करी को रोकने के लिए सुरक्षा एजेंसियां लगातार निगरानी रख रही हैं। खुफिया सूचनाओं के आधार पर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखकर समय-समय पर कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस टीम यह भी पता लगाने में जुटी है कि बरामद AK-47 और अन्य सामग्री का इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाना था। हालांकि, इस संबंध में जांच पूरी होने से पहले किसी अंतिम निष्कर्ष पर पहुंचना संभव नहीं है।

जांच एजेंसियां आरोपी के पिछले रिकॉर्ड और उसकी गतिविधियों की भी पड़ताल कर रही हैं। इसके अलावा यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि क्या आरोपी पहले भी किसी अवैध हथियार या आपराधिक नेटवर्क के संपर्क में रहा है।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मामले में आगे और गिरफ्तारियां होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। नेटवर्क से जुड़े किसी भी व्यक्ति की भूमिका सामने आने पर उसके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अवैध हथियारों और विस्फोटकों की तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का उद्देश्य ऐसे नेटवर्क को पूरी तरह उजागर करना और हथियारों की अवैध सप्लाई पर प्रभावी अंकुश लगाना है।

फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और बरामद हथियारों एवं विस्फोटकों के स्रोत तथा संभावित गंतव्य का पता लगाने के लिए जांच जारी है। अधिकारियों के अनुसार, जांच पूरी होने के बाद इस नेटवर्क से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण तथ्यों का खुलासा हो सकता है।

सिंगापुर की सनटेक सिटी का CM नायब सिंह सैनी ने किया दौरा, आधुनिक तकनीक और इंजीनियरिंग का लिया जायजा



चंडीगढ़, 4 अक्टूबर। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने सिंगापुर दौरे के दौरान गुरुग्राम में प्रस्तावित विश्वस्तरीय कन्वेंशन सेंटर की योजनाओं और सुविधाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने सिंगापुर स्थित प्रसिद्ध सनटेक सिटी का दौरा कर वहां संचालित कन्वेंशन सेंटर की आधुनिक सुविधाओं, निर्माण तकनीक, इंजीनियरिंग और प्रबंधन व्यवस्था की विस्तृत जानकारी ली। प्रस्तावित कन्वेंशन सेंटर को गुरुग्राम में करीब 25 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार गुरुग्राम को वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख बिजनेस और कॉन्फ्रेंस डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने की दिशा में काम कर रही है। इसी कड़ी में सनटेक सिटी की तर्ज पर गुरुग्राम में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस कन्वेंशन सेंटर विकसित किया जाएगा। इसमें आधुनिक तकनीक और उन्नत इंजीनियरिंग का ऐसा समन्वय किया जाएगा, जिससे बड़े अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, व्यावसायिक बैठकें, प्रदर्शनियां और वैश्विक स्तर के अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जा सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंगापुर की सनटेक सिटी में उपलब्ध सुविधाओं का अध्ययन गुरुग्राम के प्रस्तावित प्रोजेक्ट के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की श्रेष्ठ व्यवस्थाओं को समझने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। सरकार का प्रयास है कि कन्वेंशन सेंटर में आधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ बेहतर प्रबंधन, तकनीकी सुविधाएं और आगंतुकों के लिए विश्वस्तरीय व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जाएं।

उन्होंने कहा कि इस कन्वेंशन सेंटर के निर्माण से गुरुग्राम की अंतरराष्ट्रीय पहचान और मजबूत होगी। इससे देश-विदेश से बड़े कारोबारी आयोजन, सम्मेलन और प्रदर्शनियां गुरुग्राम में आयोजित करने का अवसर मिलेगा। इसके साथ ही राज्य में निवेश और व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिसका सकारात्मक प्रभाव हरियाणा की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार मानसैर में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के साथ-साथ एक बड़े और सुंदर पार्क का भी निर्माण करेगी।

नशा मुक्ति केंद्रों में अब होगी ट्रिपल एच स्क्रीनिंग, पंजाब सरकार का बड़ा कदम

चंडीगढ़, 3 अक्टूबर: पंजाब सरकार ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे ‘युद्ध नशेयां विरुद्ध’ अभियान को स्वास्थ्य सुरक्षा के साथ जोड़ते हुए सरकारी नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्रों में जल्द ही ट्रिपल एच स्क्रीनिंग शुरू करने का फैसला किया है। इसके तहत नशे की लत से जूझ रहे लोगों की एचआईवी, हेपेटाइटिस-बी और हेपेटाइटिस-सी की जांच की जाएगी। सरकार का उद्देश्य नशे की समस्या से प्रभावित लोगों को बेहतर उपचार देने के साथ-साथ रक्त के माध्यम से फैलने वाली गंभीर संक्रामक बीमारियों की समय पर पहचान और रोकथाम सुनिश्चित करना है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि इंजेक्शन के माध्यम से नशीले पदार्थों का सेवन करने वाले लोगों में रक्त से फैलने वाले संक्रमणों का खतरा अधिक रहता है। एक ही सुई या सिरिज के दोबारा इस्तेमाल से एचआईवी और हेपेटाइटिस जैसे संक्रमण फैल सकते हैं। ऐसे में समय पर जांच, उपचार और काउंसिलिंग उपलब्ध करवाना बेहद जरूरी है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में ‘युद्ध नशेयां विरुद्ध’ अभियान केवल लोगों को नशे की गिरफ्त से बाहर निकालने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें स्वस्थ, सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन की ओर वापस लाने का प्रयास भी है। डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि यह अभियान एक मजबूत, स्वस्थ और खुशहाल पंजाब बनाने वाली क्रांति का नेतृत्व कर रहा है।

सरकार के अनुसार, पिछले कई वर्षों से एचआईवी और हेपेटाइटिस की जांच के लिए करीब दो महीने के अंतराल पर विशेष शिविर लगाए जाते रहे हैं। हालांकि, इन शिविरों की वजह से जांच की सुविधा उपलब्ध होती थी, लेकिन यह सुनिश्चित करना मुश्किल रहता था कि कितने लोगों ने जांच करवाई, कौन जांच से वंचित रह गया और किन मरीजों को आगे चिकित्सकीय देखभाल की जरूरत है।

नई व्यवस्था में जांच को अलग-अलग शिविरों तक सीमित रखने के बजाय नशा मुक्ति और पुनर्वास प्रक्रिया का हिस्सा बनाया जाएगा। इससे उपचार के दौरान नियमित जांच का अवसर मिलेगा और ऐसे लोगों की पहचान भी समय रहते हो सकेगी जिन्हें अतिरिक्त जांच, उपचार या लंबे समय तक चिकित्सकीय निगरानी की आवश्यकता है।

सरकार का मानना है कि यदि किसी व्यक्ति की जांच में संक्रमण की पुष्टि होती है तो उसे संबंधित अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र में आगे के उपचार के लिए रेफर किया जा सकेगा। इससे जांच और उपचार के बीच की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित होगी तथा मरीजों के उपचार में अनावश्यक देरी को कम किया जा सकेगा।

डॉ. बलबीर सिंह ने बताया कि इससे पहले अगस्त में पंजाब सरकार ने एचआईवी,

हेपेटाइटिस-बी और हेपेटाइटिस-सी जैसे रक्त से फैलने वाले संक्रमणों की जल्द पहचान और रोकथाम के लिए न्यूक्लिक एसिड टेस्टिंग (NAT) और केमिल्यूमिनेसेंस इम्यूनोएसे (CLIA) जैसी आधुनिक जांच तकनीकों को अपनाने की घोषणा की थी।

राज्य के सभी आम आदमी क्लीनिकों में इन तीनों संक्रमणों की जांच मुफ्त उपलब्ध है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, ये संक्रमण कई वर्षों तक बिना स्पष्ट लक्षणों के शरीर में मौजूद रह सकते हैं और समय के साथ गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकते हैं। समय पर जांच और उपचार से मरीजों को लंबे समय तक स्वस्थ जीवन जीने में मदद मिल सकती है।

ट्रिपल एच स्क्रीनिंग को नशा मुक्ति सेवाओं से जोड़ना सरकार की समग्र उपचार नीति का हिस्सा है। इसमें नशे की लत से उबर रहे लोगों की शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य जरूरतों पर भी ध्यान दिया जाएगा। काउंसिलिंग, मनोवैज्ञानिक सहायता, चिकित्सकीय उपचार और सामाजिक पुनर्वास को नशा मुक्ति प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है।

निजी नशा मुक्ति केंद्रों में यह सुविधा शुरू की जा चुकी है, जबकि सरकारी नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्रों में इसे जल्द लागू किए जाने की उम्मीद है। सरकार का लक्ष्य नशे से प्रभावित लोगों को केवल नशे से मुक्त करना नहीं, बल्कि उन्हें स्वस्थ जीवन, बेहतर उपचार और समाज की मुख्यधारा में सम्मानपूर्वक वापस लाने के लिए पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करना है।

नशा मुक्ति केंद्रों में स्क्रीनिंग की सुविधा उपलब्ध होने से उपचार के लिए पहुंचने वाले लोगों की स्वास्थ्य स्थिति का शुरुआती स्तर पर आकलन करने में मदद मिलेगी। इससे चिकित्सकों को मरीज की जरूरत के अनुसार आगे की जांच और उपचार की दिशा तय करने में सुविधा होगी।

इस पहल का एक महत्वपूर्ण पहलु यह भी है कि जांच के दौरान सामने आने वाले मामलों को केवल रिपोर्ट तक सीमित न रखा जाए, बल्कि जरूरत के अनुसार संबंधित स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ा जाए। इससे मरीजों को उपचार की निरंतरता बनाए रखने में मदद मिल सकती है।

+0नशे की समस्या से प्रभावित कई लोगों को शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक और सामाजिक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है। ऐसे में नशा मुक्ति उपचार के साथ स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की पहचान करना पुनर्वास प्रक्रिया को अधिक व्यापक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से इस व्यवस्था के माध्यम से लोगों को जांच के महत्व के बारे में जागरूक करने पर भी जोर दिया जाएगा। समय पर जांच होने से संक्रमण की

स्थिति का पता लगाया जा सकता है और आवश्यक चिकित्सकीय सलाह लेने का अवसर मिल सकता है।

नशे की लत से बाहर निकलने की प्रक्रिया में परिवार की भूमिका भी महत्वपूर्ण रहती है। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की समय पर पहचान होने से परिवार को भी मरीज की देखभाल और आगे के उपचार को समझने में सहायता मिल सकती है।

सरकार की इस पहल का उद्देश्य नशा मुक्ति केंद्रों को केवल नशे की लत का उपचार करने वाले स्थानों के रूप में नहीं, बल्कि व्यापक स्वास्थ्य सहायता उपलब्ध करवाने वाले केंद्रों के रूप में मजबूत करना 6भी है। इससे उपचार लेने वाले लोगों की अन्य स्वास्थ्य जरूरतों पर भी ध्यान दिया जा सकेगा।

ट्रिपल एच स्क्रीनिंग के माध्यम से जांच की प्रक्रिया को नशा मुक्ति उपचार के साथ जोड़ने से स्वास्थ्य विभाग को संबंधित मरीजों की जरूरतों को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिल सकती है। इसके आधार पर आगे की चिकित्सकीय देखभाल और परामर्श को अधिक व्यवस्थित किया जा सकेगा।

विशेषज्ञों के अनुसार, संक्रमणों की शुरुआती पहचान सार्वजनिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण होती है। किसी व्यक्ति में संक्रमण की पुष्टि होने पर उसे उचित चिकित्सा सेवा से जोड़ना उसके स्वास्थ्य की सुरक्षा के साथ-साथ संक्रमण के संभावित प्रसार को रोकने की दिशा में भी सहायक हो सकता है।

सरकार की योजना नशे के खिलाफ अभियान को केवल कानून-व्यवस्था या नशा छोड़ने तक सीमित रखने के बजाय स्वास्थ्य, पुनर्वास, काउंसिलिंग और सामाजिक पुनर्स्थापना से जोड़ने की है। ट्रिपल एच स्क्रीनिंग इसी व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है।



herbegy™

Think pure think herbal

PREMIUM SPICES RANGE

Pure Spice. Rich Flavour.



PURE | AROMATIC | PREMIUM QUALITY

Advertisement

For Dealer Inquiry Contact:

727-515-0015